



खबर संक्षेप

आज गुंजेगी बाबा
श्याम की महिमा

कोरबा। शहर के निहारिका क्षेत्र स्थित श्री सिद्धेश्वर शिव मंदिर ग्राउंड (एम.पी. नगर एक्सटेंशन, घंटाघर चौक) में 6 सितंबर की संध्या 6:15 बजे से द्वितीय वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में भव्य धार्मिक अनुष्ठान 'श्री श्याम सुमिरन 2.0' का आयोजन किया जा रहा है। आयोजकों नरेश अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल (कोरकोमा वाले) एवं विमला मित्तल ने बताया कि इस आध्यात्मिक संस्था में सुरिले भजनों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी, जिससे पूरा माहौल बाबा श्याम की भक्ति में सराबोर नजर आएगा। कार्यक्रम को लेकर स्थानीय श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

स्वरांजलि का आयोजन कल

कोरबा। भारतीय संगीत जगत के स्वर कोकिला और स्वर सम्राटों को समर्पित संगीतमय संध्या स्वरांजलि का आयोजन हाउसिंग बोर्ड सामुदायिक भवन, बालको नगर सेक्टर-6 में शाम 7 बजे आयोजित की गई है। इस अवसर पर मोहम्मद रफी, किशोर कुमार, मुकेश, लता मंगेशकर एवं आशा भोसले के सदाबहार गीतों की प्रस्तुति बालको-कोरबा के कलाकारों द्वारा दी जाएगी।

हरिभूमि न्यूज ►► कोरबा

नहीं चलेगा तीन कमरे और एक बरामदा वाला भवन

खास बातें

- शहर के साथ ग्रामीण अंचलों में भी शुरू हुआ काम
- पंचायत और आरईएस है निर्माण एजेंसी



40 सीटों के लिए विभाग में दो साल से चल रहा है कोर्स

कृषि विभाग 6 माह के डिप्लोमा कोर्स
वालों को देगा दुकानों का लाइसेंस

हरिभूमि न्यूज ►► कोरबा

खाद बीज दुकानों के लिए कृषि संकाय में स्नातक के अलावा कृषि विभाग के 6 माह जैविक खेती के डिप्लोमा कोर्स करने वालों को भी उर्वरक दुकानों के लिए लाइसेंस देगा। इसके लिए 40 सीट रखी गई है। जिसमें मेरिट के बेस पर प्रवेश देने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। शासन के द्वारा शिक्षित बेरोजगारों के लिए लाइवलीहुड कालेजों के माध्यम से अनेक प्रकार के स्वरोजगार कोर्स चल रहा है इसी तर्ज पर कृषि विभाग में भी दो वर्ष के साथ 6 माह का भी डिप्लोमा कोर्स



शुरू किया गया है। खाद एवं बीज की दुकानों के संचालन के लिए पूर्व में विज्ञान से स्नातक अनिवार्य किया गया था। जिसे बाद में संशोधित करते हुए इसके लिए कृषि संकाय में स्नातक को अनिवार्य किया गया। अधिकांश छात्र कृषि संकाय में प्रवेश नहीं ले पा रहे थे। ऐसे छात्रों को कृषि विभाग में चलने वाले 6 माह और 2 वर्ष के जैविक

खेती का डिप्लोमा कोर्स की सुविधा लागू की गई है। इसके लिए 10वीं उत्तीर्ण योग्यता रखी गई है। हालांकि उच्च डिग्री वाले भी इस कोर्स को कर सकते हैं। जिले में कृषि विभाग के अनुविभागीय कार्यालय में सप्ताह में दो दिन डिप्लोमा कोर्स

दी जा रही है तकनीकी जानकारी

प्रशिक्षण के दौरान छात्रों को मैदानी क्षेत्र के क्षमण के साथ उर्वरक रखने के तैर तरीके, बीज वितरण, बीज की पहचान, उसके उपयोग में आने वाली कीटनाशक दवाइयां, फसलों की सुरक्षा के साथ आधुनिक खेती की बुनियादी तकनीक की जानकारी दी जा रही है। इनके अलावा कृषि क्षेत्र में उपयोग किए जाने वाले रसायन का उपयोग कितनी मात्रा में किया जाना है ऐसी तकनीकी जानकारी छात्र प्राप्त कर रहे हैं। हालांकि अभी 40 स्थान भी पूरी तरह नहीं भरे हैं।

की कक्षाएं लग रही हैं। जिसका प्रशिक्षण कृषि अधिकारियों के द्वारा किया जा रहा है।

एनटीपीसी कोरबा संयंत्र में 36 घंटे के
बाद दो इकाइयों से विद्युत उत्पादन शुरू

हरिभूमि न्यूज ►► कोरबा

एनटीपीसी कोरबा संयंत्र में ब्लैक आउट के 36 घंटे बाद आखिरकार तीन इकाइयों से दोबारा विद्युत

खास बातें

- 500 मेगावाट की दो और 200 मेगावाट की एक इकाई उत्पादन पर
- ब्लैक आउट के बाद 3 इकाइयों से हो रहा विद्युत उत्पादन

उत्पादन शुरू कर दिया गया है। 500 मेगावाट की दो और 200 मेगावाट की एक इकाई से विद्युत उत्पादन किया जा रहा है। शेष चार इकाइयों का मरम्मत कार्य क्रमबद्ध तरीके से जारी है। संभावना जतायी जा रही है कि आने वाले दिनों में शेष चार इकाइयों से भी दोबारा विद्युत उत्पादन शुरू कर दिया जाएगा।



फाइल फोटो

उल्लेखनीय है कि बिजली उत्पादन के लिहाज से देश के प्रमुख बिजली संयंत्रों में शामिल एनटीपीसी कोरबा में शुक्रवार को उस समय बड़ा तकनीकी व्यवधान सामने आया, जब पीजीसीआईएल के ब्रेकर टेस्टिंग के दौरान स्विच यार्ड में विद्युत फॉल्ट हो गया। फॉल्ट के कारण एनटीपीसी कोरबा की सभी 7 यूनिटें एक साथ ट्रिप हो गईं। यूनिटों के अचानक ट्रिप होने से कोरबा समेत आसपास के क्षेत्रों में करीब डेढ़ घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। वहीं सात राज्यों में भी विद्युत आपूर्ति ठप्प पड़ गई थी। घटना के बाद एनटीपीसी का

तकनीकी अमला यूनिटों को दोबारा सामान्य स्थिति में लाने में जुट गया। एनटीपीसी के मुताबिक, सभी यूनिटों को रिवाइव करने का काम जारी रहा। बाकी सातों यूनिटों के एक साथ ट्रिप होने और बिजली उत्पादन प्रभावित रहने के कारण हालांकि, नुकसान की वास्तविक राशि कितनी है, इसका स्पष्ट आकलन यूनिटों के सामान्य रूप से चालू होने के बाद ही सामने आएगा। बिजली उत्पादन इकाइयों की बहाली और पुनरुद्धार की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और वर्तमान में जारी है। एनटीपीसी कोरबा के जनसम्पर्क अधिकारी उष्मा घोष के मुताबिक शनिवार की दोपहर 2 बजे तक एनटीपीसी कोरबा की तीन बिजली उत्पादन इकाइयों 500 मेगावाट की दो इकाइयां और 200 मेगावाट की एक इकाई को शुक्रवार को ब्लैकआउट के बाद सफलतापूर्वक पुनर्जीवित कर दिया गया है।

TECNO

SPARK Go 3^{PRO}
DESH JAISA DUMDAAR

IP69

609

Available at
All Retail Stores
Near You...

Assured Cashback*

pine labs
PAY LATER

paytm

benow
IT'S EASY

OR

Buy at ₹2499/Month with 12 Months No Cost EMI*

BAJAJ
FINANCE

TVSCREDIT

HDB FINANCIAL SERVICES

IDFC FIRST
BankHOME
CREDIT

DMI FINANCE

Chola
Enter a better lifePOONAWALLA
FINCORP

**T&C apply



SCAN TO KNOW MORE

Khanna



LAXMI ELECTRONICS & SHOPPING MALL |

Malviya Road, Raipur, Ph: 0771-2210000 Mo: 7000477757, Main Road, Katora Talab, Raipur, Mo: 9826139800

JAI BABA KISHARAM ENTERPRISES

AUTHORISED DISTRIBUTOR (C.G.) - Mr. Rajesh Vaswani 9893090009

TECNO

acerpure

hp

ONEPLUS

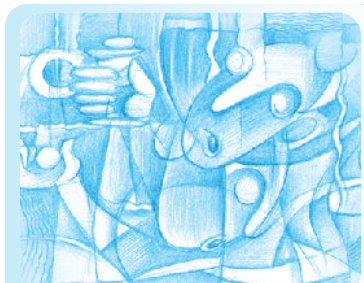
7828002600, 9575832859,
9893314137



कवर स्टोरी / थिस्वर चंद जैन

आजकल खाली समय बिताने के लिए लोग अपने स्मार्टफोन पर रील बहुत देखते हैं। इसका नतीजा होता है समय की बर्बादी, आंखों की रेशानी पर बुरा असर और स्ट्रेस। माना कि आज की भाग-दौड़ भरी इस जिंदगी में हम सब 'सुकून' की तलाश में हैं और थोड़ा हंसना-मुस्कुराना चाहते हैं। मगर इसके लिए सोशल मीडिया पर रील्स स्कॉल करने की बजाय रियल लाइफ की कुछ रियली मजेदार एक्टिविटीज को आजमाएं तो मानसिक शांति का एक बिल्कुल नया लेवल और ताजगी का अनुभव किया जा सकता है।

पेड़-पौधे से करें बातें: अपनी कॉलोनी या फिर नजदीकी पार्क में लगे या सड़क किनारे उगे किसी बड़े या पुराने पेड़ के पास बैठिए। अपनी उलझनें उसे धीरे से बोलकर बताइए, जैसे वह कोई मूक मार्गदर्शक हो। पेड़ पौधों से बातचीत करना वाकई सुकून देता है। जापान में 'शिनरिन-योकू' पर की गई रिसर्च के अनुसार, पेड़-पौधों के साथ समय बिताने और उनसे बात करने से हमारे ब्रेन की अल्फा वेव्स सक्रिय होती हैं, जो गहरी शांति का अहसास कराती हैं। ब्रिटेन की रॉयल हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी के एक सर्वे में पाया गया कि 70 प्रतिशत लोग, जो पौधों से नियमित बात करते हैं, वे दूसरों की तुलना में अधिक शांत और खुश रहते हैं। पौधे आपको बात बिना



कविता

पुरुषोत्तम व्यास

बहुत मुश्किल-सा लगने लगा

कितने शब्दों के बीच	कितने झपट के बीच
कितने दिवारों के बीच	जीना श्रम अंग्रेजों को बचाना
कितने थपड़ों के बीच	बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।
कितने जालों के बीच	कितनी प्रसन्नता के बीच
जीना श्रम अंग्रेजों को बचाना	कितने सम्झौतों के बीच
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।	कितने अंग्रेजों के बीच
कितनी घृणा के बीच	कितने सम्मानों के बीच
कितनी ईर्ष्या के बीच	जीना श्रम अंग्रेजों को बचाना
कितनी कुसंगत के बीच	बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।
कितनी तलाश के बीच	कितने शत्रुओं के बीच
जीना श्रम अंग्रेजों को बचाना	कितने मित्रों के बीच
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।	कितने शत्रुओं के बीच
कितने दबड़ोतेपन के बीच	कितने सपनों के बीच
कितनी श्लाघाशंसा के बीच	जीना श्रम अंग्रेजों को बचाना
कितने कपट के बीच	बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।

पुस्तक चर्चा / अनुराग गनीट

ओम निश्चल की गजलगोई

समकालीन हिंदी गजल के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर हैं ओम निश्चल। हाल में विज्ञान भूषण के संपादन में ओम निश्चल की गजलगोई पर केंद्रित पुस्तक 'गजलगोई : ओम निश्चल' प्रकाशित होकर आई है।

यह पुस्तक ओम निश्चल की रचनात्मक यात्रा, काव्य-दृष्टि और उनकी गजलगोई के विविध आयामों का समग्र मूल्यांकन तो प्रस्तुत करती ही है, उनके बहुआयामी व्यक्तित्व पर भी प्रकाश डालती है। पुस्तक में ज्ञान प्रकाश विवेक, डॉ. हरेराम पाठक, डॉ. वेदमित्र शुक्ल, डॉ. भावना शेखर, डॉ. आनंद वर्धन द्विवेदी, आयुष जयवर्धन, आरती आस्था, सरस्वती रमेश और संपादक समेत 16 रचनाकारों ने ओम निश्चल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आलोचनात्मक दृष्टि से अपने विचार प्रस्तुत किए हैं। खास बात यह है कि इस आलोचनात्मक पुस्तक को पढ़ते हुए पाठक, ओम निश्चल की विभिन्न गजलों-गीतिकाओं से उद्भूत बेहतरीन शेरों से भी रू-ब-रू हो पाएंगे, जिसका प्रयोग विभिन्न लेखों में संदर्भ के तौर पर किया गया है। प्रसिद्ध साहित्यकार ज्ञान प्रकाश विवेक ओम निश्चल के बहुआयामी व्यक्तित्व के विविध पहलुओं पर प्रकाश डालते हैं, जिसमें एक संवेदनशील,

रील नहीं रियल एक्टिविटीज को दें टाइम फील करेंगे हैप्पीनेस-मिलेगा सुकून

हम में से अधिकतर लोग जरा भी फ्री टाइम मिलने पर सोशल मीडिया पर रील स्कॉल करने लगते हैं। इससे कई फिजिकल और मेंटल प्रॉब्लम्स होने लगती हैं। इसके बजाय अगर हम कुछ इंस्टेंटिंग फिजिकल एक्टिविटीज करें तो न केवल फिजिकली-मेंटली हेल्दी रहेंगे, खुशी महसूस करेंगे, साथ ही लाइफ में सुकून का भी अनुभव करेंगे। इन एक्टिविटीज के बारे में जानिए।

किसी जजमेंट के सुनते हैं। सुकून देगी संगीत की धुन: अपनी पसंद का कोई इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक जैसे बांसुरी या सितार की धुन सुनिए। उस धुन के उतार-चढ़ाव को महसूस कीजिए। जब धुन ऊंची हो, तो अपनी खुशी जाहिर कीजिए, जब धीमी हो, तो उदासी। हार्वर्ड हेल्थ की एक रिपोर्ट के अनुसार, संगीत केवल सुनने की चीज नहीं है, यह दिमाग के न्यूरोन्स के साथ संवाद करता है। एक सर्वे में पाया गया कि जो लोग इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक सुनते हुए अपनी भावनाओं को उस धुन के साथ बहने देते हैं, उनका ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है और मन की उलझनें स्वतः सुलझने लगती हैं।

रात के आसमान में निहारें चांद-सितारे: रात के समय छत, आंगन या बालकनी में खाट बिछाकर लेट जाइए। आसमान के तारों या चांद को देखकर अपनी छिपी हुई इच्छाएं या वो बातें कह डालिए, जो आप किसी इंसान से नहीं कह सकते। खगोल-मनोविज्ञान के विशेषज्ञों के अनुसार, जब इंसान ब्रह्मांड की विशालता को देखता है और उससे मानसिक संवाद करता है, तो उसके भीतर 'ऑ' (विस्मय) की भावना पैदा होती है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के एक सर्वे के मुताबिक, इस 'ऑ' इफेक्ट से इंसान की अपनी परेशानियां बहुत छोटी लगने लगती हैं। यह कॉस्मिक संवाद आपके अहंकार को शांत करता है और मन को असीम सुकून देता है।

डायरी के कोरे पन्ने: अपनी डायरी को एक जीवित दोस्त मानिए। पेन उठाइए और पन्नों से कहिए, 'आज मेरा दिन बहुत अजीब रहा, सुनो।' और लिखना शुरू कर दीजिए। एक्सप्रेसिव राइटिंग के जनक डॉ. जेम्स पेनेबेकर के एक शोध के अनुसार, जब हम कागज और कलम के माध्यम से संवाद करते हैं, तो यह हमारे मस्तिष्क के 'अमिगडाला' (डर और तनाव का केंद्र) को शांत करता है। सच बताते हैं कि जो लोग रात को सोने से पहले डायरी से 'बात' करते हैं, उनकी नींद की गुणवत्ता में 35 प्रतिशत का सुधार होता है। कागज कभी आपकी बात काटता नहीं, बस सब समेट लेता है।

देखें अपने बचपन की तस्वीर

जब टाइम मिले, अपने बचपन और किशोरावस्था की तस्वीरों को सामने रखिए। उनसे वैसे ही बात कीजिए जैसे आप किसी मासूम बच्चे से करते हैं। उनसे पूछिए, 'क्या मैं वैसा ही बना जैसा बनना चाहता था?' अमेरिकी साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के कई शोध बताते हैं कि 'इनर चाइल्ड होलिंग' मानसिक तनाव को कम करने का सबसे अचूक तरीका है। एक सर्वे के अनुसार, जब लोग अपने बचपन की तस्वीर को देखकर खुद से सकारात्मक बातें करते हैं, तो उनके शरीर में कॉर्टिसोल (स्ट्रेस हार्मोन) का स्तर 22 प्रतिशत तक कम हो जाता है। यह संवाद आपको अपनी जड़ों से जोड़ता है और वर्तमान की असफलताओं के बोझ को हटका करता है।

बेजुबानों से करें बात

अपने पालतू या गली में भटकने वाले किसी आकार कुत्ते या बिल्ली की आंखों में देखकर बस दो मिनट अपने मन की बात कीजिए। 'ट्युमन-एनिमल बॉन्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट' के एक वैश्विक सर्वे के अनुसार, बेजुबान जानवरों से बात करने या उन्हें सहलाने से मानव शरीर में ऑक्सीटोसिन (लव हार्मोन) और डोपामाइन का साव तेजी से बढ़ता है। 84 प्रतिशत पेट और स्ट्रीट एनिमल फ्रीडर्स ने माना कि इन बेजुबानों से दो मिनट की बातें उनके पूरे दिन के वर्क-स्ट्रेस को घुटकियां में गायब कर देती हैं। उनकी मूक प्रतिक्रिया में जो विश्रुतता होती है, वही हमें सुकून प्रदान करता है।



खुद से भी कीजिए बातें: आईने के सामने खड़े हो जाइए। अपनी ही आंखों में आंखें डालिए और खुद का हाल-चाल पूछिए, 'तुम कैसे हो? थक गए हो क्या?' 'मिरर मेंडेटेशन' पर कोलंबिया यूनिवर्सिटी द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि खुद को आईने में देखकर बात करने से आत्म-करुणा बढ़ती है। सर्वे में शामिल 65 प्रतिशत युवाओं ने माना कि जब वे आईने में खुद को सांत्वना देते हैं या अपनी तारीफ करते हैं, तो उनका सोशल एंजाइटी का स्तर काफी हद तक घट जाता है। दुनिया को सुनने वाले कान, कभी खुद की आवाज भी सुनना चाहते हैं।

बारिश की बूंदों से मिलाएं लय: जब बारिश हो रही हो या आप किसी नदी के किनारे हों, तो पानी की गिरती बूंदों की लय से अपनी सांसों को लय में आने दें। 'गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट्स' के एक सर्वे के अनुसार, प्रकृति के जल-स्रोतों की आवाज सुनने और उनसे मानसिक रूप से जुड़ने से एंजाइटी अटैक्स में 40 प्रतिशत तक की कमी देखी गई है।

कहने का सार यही है कि जब भी कुछ पल फुर्सत के मिलें तो उसे सोशल मीडिया की रील्स को स्कॉल करने में न गंवाकर ऐसी एक्टिविटीज करिए, जिससे आप खुद को अपने करीब महसूस कर सकें। यही नहीं इससे आपको खुशी मिलेगी और आपको एक अलग तरह का सुकून भी मिलेगा। *

सीनियर घोटालेबाज से नवोदित भ्रष्टाचारी की मुलाकात

नवोदित भ्रष्टाचारी जिस घाट से फ्रेश होकर आ रहा था, वरिष्ठ घोटालेबाज उसी जानिब उदास था। नवोदित भ्रष्टाचारी के जलवों की धूम के चलते कुंठित भी था। इसीलिए वह कदाचित डूब मरने जा रहा होगा। लोकतंत्र के राजपथ पर दोनों आमने-सामने आ गए। नवोदित भ्रष्टाचारी बेशर्मीपूर्वक शरमाता हुआ कन्नी काट कर आगे बढ़ गया।

दामन पाक-साफ है किंतु सभी को ज्ञात था कि वह अंदर से मटमैला था। वह भ्रष्टाचार के सरोवर में डुबकी लगाने की लत से मजबूर था। जिस तरह पानी अपनी ढाल की तरफ बहता है और पैसा पैसे को खींचता है, उसी तरह एक भ्रष्टाचारी भी निर्वेख होकर अपने नहाने के लिए समुचित घाट की तलाश स्वयमेव कर लिया करता है। उसने भी यह तलाश

पूरी कर ली थी। एक रोज वह भ्रष्टाचार के सरोवर के प्रदूषण घाट से डुबकी मारकर वापस लौट रहा था। तभी राह में उसको एक सीनियर भ्रष्टाचारी मिल गया। वह सीनियर एक वरिष्ठ घोटालेबाज के नाम से कुख्यात था। वह जमीन से जुड़ा हुआ था, इसके चलते जीवन में महत्वाकांक्षाओं की स्वनिर्धारित सीमा से कभी भी



एक कंपनी ने तीन कर्मचारियों-अभय, निखिल और रोहन को एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट सौंपा। काम बांट दिया गया। अभय ने पूरी जिम्मेदारी से हर काम समय पर संभाला और प्रोजेक्ट को व्यवस्थित किया। निखिल ने भी मेहनत की, मगर अभय जितनी नहीं। रोहन ने सबसे कम योगदान दिया। प्रोजेक्ट पूरा हुआ तो कंपनी के मालिक ने पुरस्कार की घोषणा की। रोहन का नाम सबसे पहले, निखिल का उसके बाद और अभय का सबसे अंत में था। अभय को इस बात का दुःख हुआ कि उसकी मेहनत को अपेक्षित पहचान नहीं मिली। कुछ समय बाद

समय मिले रिजेक्शन ने ही मुझे अपनी राह चुनने और अपनी योग्यता को साबित करने का साहस दिया था।' यह सुनकर पुराने मालिक के चेहरे पर मुस्कान तैर गई। *

निश्चित ही डिजिटल गैजेट्स ने हमारी डेली लाइफ को बहुत ईजी बना दिया है। लेकिन इसका ओवरयूज हमारी मेमोरी और इंटेलिजेंस पावर पर बुरा असर भी डाल रही है। इस बारे में जानने के साथ ही हमें इससे बचने के उपायों पर भी अमल करना जरूरी है।

मेमोरी और इंटेलिजेंस पर बुरा असर डाल रहे गैजेट्स

टेक्नोलाइफ

अजू जैन

इस बात में कोई दो राय नहीं कि गैजेट्स ने निश्चित रूप से हमारी दुनिया को आसान और सुलभ बनाया है, लेकिन इसकी कीमत हमें अपनी मानसिक और शारीरिक सेहत से चुकानी पड़ रही है। आज हम किसी भी सवाल का जवाब जानने के लिए अपनी बुद्धि पर जोर नहीं देते। एक साधारण क्लिक से दुनिया भर की जानकारी हमारे सामने आ जाती है। विज्ञान इस स्थिति को 'डिजिटल एमनेशिया' या 'गूगल इफेक्ट' कहता है। यदि हम समय रहते सचेत नहीं हुए और अपने दिमाग

को गुलाम बन जाएंगी। क्या है गूगल इफेक्ट: डिजिटल एमनेशिया या गूगल इफेक्ट एक मनोवैज्ञानिक स्थिति है, जहां लोग जानकारी को इसलिए भूल जाते हैं क्योंकि उन्हें पता होता है कि इसे ऑनलाइन आसानी से खोजा जा सकता है। हम तथ्यों को याद रखने के बजाय अब केवल यह याद रखते हैं कि उन तथ्यों को खोजना कहाँ है। मस्तिष्क एक मांसपेशी की तरह है। यदि इसका उपयोग नहीं किया जाएगा, तो यह कमजोर होने लगता है। इससे हमारी जैविक स्मृति धीरे-धीरे सुस्त होने लगती है।

स्मार्टफोन बना एक्सटर्नल ड्राइव: प्राचीन काल में लोग लंबी कविताएं, धार्मिक ग्रंथ और ऐतिहासिक घटनाएं जुबानी याद रखते थे। कुछ दशक पहले तक लोगों को अपने करीबियों के दर्जनों फोन नंबर और पते याद होते थे। आज स्थिति यह है कि लोगों को अपने परिवार के सदस्यों के नंबर भी याद नहीं रहते। स्मार्टफोन अब हमारी यादशत के लिए एक

'एक्सटर्नल हार्ड ड्राइव' बन गए हैं। हम अपनी रोजमर्रा की नियुक्तियों, जन्मदिनों, बिलों के भुगतान की तारीखों और यहां तक कि साधारण गणनाओं के लिए भी रिमाइंडर्स और एप्स पर निर्भर हैं। **मस्तिष्क की कार्यप्रणाली में बदलाव:** मानव मस्तिष्क में 'न्यूरोप्लास्टिसिटी' का गुण होता है, जिसका अर्थ है कि यह अनुभवों और आदतों के अनुसार खुद को ढाल लेता है। जब हम लगातार गैजेट्स का उपयोग करते हैं, तो मस्तिष्क की सूचनाओं को सहेजने वाली न्यूरोन कोशिकाएं कमजोर होने लगती हैं। इसके परिणामस्वरूप, मस्तिष्क सूचनाओं को शॉर्ट-टर्म मेमोरी से लॉन्ग टर्म मेमोरी में स्थानांतरित करना बंद कर देता है।

जी. पी. एस. पर बढ़ती निर्भरता: पहले लोग रास्तों को याद रखने के लिए लैंडमार्क्स, दिशाओं और अपनी स्थानिक समझ का उपयोग करते थे। इससे मस्तिष्क का 'हिप्पोकैपस' हिस्सा सक्रिय रहता था, जो यादशत और दिशा-ज्ञान के लिए जिम्मेदार है। आज जी. पी. एस. और गूगल

मैप्स ने इस क्षमता को पूरी तरह से हाईजेक कर लिया है। बिना सोचे-समझे स्क्रीन पर दिखाई देने वाले तीरों का पालन करने से हमारी खुद की रास्तों को याद रखने की क्षमता खत्म हो रही है।

बच्चों के मानसिक विकास पर प्रभाव: मेमोरी पावर में कमी की यह समस्या वयस्कों से कहीं ज्यादा नई पीढ़ी या बच्चों को प्रभावित कर रही है। जो बच्चे गैजेट्स के साथ बड़े हो रहे हैं, वे स्पेलिंग, पहाड़े और बुनियादी गणनाओं के लिए भी स्क्रीन पर निर्भर हैं। शारीरिक खेलों और किताबों से दूरी के कारण उनकी कल्पनाशीलता और याद रखने की क्षमता का विकास नहीं हो पा रहा है। *

(मनोचिकित्सक डॉ. संजय गर्ग से बातचीत पर आधारित)

गैजेट्स के इस्तेमाल में संतुलन की आवश्यकता

गैजेट्स आधुनिक जीवन का अनिवार्य हिस्सा हैं और उन्हें पूरी तरह छोड़ना संभव नहीं है। समाधान इस बात में है कि हम तकनीक का उपयोग अपनी यादशत को बढ़ाने के लिए करें, न कि उसे बदलने के लिए। हमें जागरूक होकर कुछ कदम उठाने होंगे।

- ▶ फोन नंबर, कैलेंडर की तारीखें और महत्वपूर्ण पते जुबानी याद रखने का प्रयास करें।
- ▶ सप्ताह में कम से कम एक दिन या दिन के कुछ घंटे गैजेट्स से पूरी तरह दूर रहें।
- ▶ स्क्रीन के बजाय कागजी किताबें पढ़ने की आदत डालें, जिससे एकाग्रता बढ़ती है।
- ▶ किसी भी पल को कैमरे में कैद करने से पहले अपनी आंखों और अनुभव के जरिए दिमाग में दर्ज करें।

आगे नहीं जा सका था। नवोदित भ्रष्टाचारी जिस घाट से फ्रेश होकर आ रहा था, वरिष्ठ घोटालेबाज उसी जानिब जा रहा था। वह अतिशय उदास था। नवोदित भ्रष्टाचारी के जलवों की धूम के चलते कुंठित भी था। इसीलिए वह कदाचित डूब मरने जा रहा होगा।

लोकतंत्र के राजपथ पर दोनों आमने-सामने आ गए। नवोदित भ्रष्टाचारी बेशर्मीपूर्वक शरमाता हुआ कन्नी काट कर आगे बढ़ गया। वरिष्ठ ने उसे पीछे से आवाज दी, 'ओ राजा बेटा, ऐसे तो मुंह फेर कर न जाओ!' नवोदित बोला, 'दादा, चाहे और कुछ कह लो, पर मुझको राजा बेटा कहकर न बुलाओ। यों ही मेरी बहुत बदनामी हो चुकी है।'

वरिष्ठ घोटालेबाज ने उसकी पीठ पर धौल जमाते हुए कहा, 'तो क्या कहूँ? तुम्हें राजा बेटा न कहूँ, तो क्या अपना बाप कहूँ? वाह बेटा, तुम तो बापों के भी बाप निकले। हम तो अपने टाइम में करोड़ों की ही जमा-पूजी बटोर पाए थे, तुम 'पहले पाओ, पहले खाओ' की राह पर चलकर कई लाख करोड़ के पार निकल लिए। हम जैसे पुराने घोटालेबाज यूरिया, चीनी, चारा, कोयला, अनाज जैसी हद्दी-पिढी कलाबाजियों के आगे नहीं जा सके। तुम सबको पीछे छोड़कर असीमित घोटाले की सीमा के पार पहुंच गए हो। मुझे पक्की उम्मीद है कि तुम्हारे बाद की पीढ़ी और भी तरक्की करेगी।'

नवोदित भ्रष्टाचारी निर्लज्ज मुस्कान के साथ बोला, 'दादा, आप मेरे पुरखे हो। पथ-प्रदर्शक हो। गुरु समान हो। आप अपने समय के खांटी खिलाड़ी रहे हो। आपने ही मुझे एकलव्य को इस सुगम और सहज मार्ग पर चलना सिखाया है। आपको देख-देखकर ही मैंने यह विद्या सीखी है। मेरी आप को ज्ञान देने की औकात नहीं है।' वरिष्ठ घोटालेबाज ने उस नवोदित भ्रष्टाचारी की पीठ थपथपाते हुए कहा, 'शाबास बेटा, इसी बात पर मेरे साथ वापस लौट चलो। इस बार भ्रष्टाचार के सरोवर के उसी घाट पर हम दोनों मिलकर डबल डुबकियां लगाएंगे।'

अब दोनों ही गठबंधन वाली मुद्रा में एक ही दिशा में एक साथ चल रहे थे। *

लघुकथा / तनुजा चौबे

उपेक्षा से प्रेरणा



अभय ने नौकरी छोड़कर अपना स्टार्टअप शुरू कर दिया। उसने पूरी लगन से काम किया। वर्षों की मेहनत रंग आई और एक दिन उसके स्टार्टअप को प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला। पुरस्कार देने वही पुराने मालिक आए। पुरस्कार देते हुए उन्होंने अभय से कहा, 'आज तुम जिस मुकाम पर हो, तुम्हारी योग्यता ने ही तुम्हें यहां तक पहुंचाया है।'

अभय मुस्कुराया, 'सर, आपकी बात ने आज मुझे वर्षों पीछे पहुंचा दिया। शायद उस

खबर संक्षेप



श्री अग्रसेन गौ धाम कनबेरी में गुंजे कान्हा के जयकारे
कोरबा। श्री अग्रसेन गौ धाम, कनबेरी में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का पर्व श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर गौ धाम परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया और श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पूरे आयोजन के दौरान परिसर में भक्ति और उत्साह का वातावरण बना रहा। जन्माष्टमी महोत्सव का विशेष आकर्षण मटकी फोड़ प्रतियोगिता रही। इस रोमांचक आयोजन में बच्चों के साथ महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। वहीं दुध-दही मटकी फोड़ प्रतियोगिता में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए आयोजन को और भी मनोरंजक बना दिया। मटकी फोड़ प्रतियोगिता के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और पूरा परिसर तालियों एवं जयकारों से गुंज उठा। इस अवसर पर अग्रवाल सभा के पूर्व अध्यक्ष रामसिंह अग्रवाल श्रीकांत बुधिया अग्रवाल सभा के अध्यक्ष बजरंग अग्रवाल सचिन शिव अग्रवाल एवं मीडिया प्रभारी अनिल अग्रवाल, अग्रसेन गौ सेवा समिति के संरक्षक देवी प्रसाद केडिया, इंदर अग्रवाल, शशतोश अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, अध्यक्ष जयंत अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

कृष्ण जन्माष्टमी जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया



सातगढ़ कृष्णोद यादव विकास समिति, सर्फिल गुरसिया के तत्वावधान में ग्राम गुरसिया में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव कृष्ण जन्माष्टमी मनाया गया। सर्फिल गुरसिया में यादव समाज के भाई-बहनों ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को बड़े ही उत्साह एवं श्रद्धा के साथ मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सर्फिल अध्यक्ष श्री गणेश यादव द्वारा की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जगन्नेद्र पाल, कार्तिक राम यादव, जगदीश राम यादव उपस्थित रहे।

अदाणी फाउंडेशन के नेत्र जाँच अभियान में 3 हजार से अधिक लोगों ने कराई जाँच
कोरबा। आँखों की सही समय पर जाँच और जरूरत के अनुसार इलाज मिलने से कई लोगों को आँखों से जुड़ी परेशानियों से राहत मिल सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाने के उद्देश्य से अदाणी फाउंडेशन ने कोरबा में नेत्र जाँच शिविरों की एक श्रृंखला आयोजित की। इसके तहत 25 ग्रामों में कुल 35 नेत्र जाँच शिविर लगाए गए, जिनमें 3005 लोगों की आँखों की जाँच की गई। कोरबा पोर्क लिमिटेड, पताड़ी के सहयोग से अदाणी फाउंडेशन द्वारा आयोजित यह आई कैंप ड्राइव 13 जुलाई से 26 अगस्त तक चला। इस दौरान 1745 पुरुषों और 1260 महिलाओं ने शिविरों में पहुँचकर अपनी आँखों की जाँच कराई। शिविरों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को उनके आसपास ही नेत्र जाँच की सुविधा उपलब्ध कराई गई, जिससे उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दूर जाने की जरूरत न पड़े। जाँच के दौरान जरूरतमंद लोगों को कुल 2303 चश्मे वितरित किए गए। इनमें 1374 चश्मे पुरुषों और 929 चश्मे महिलाओं को दिए गए। इसके अलावा, जाँच में सामने आए 498 मामलों को आगे के इलाज के लिए रेफर किया गया। इनमें 268 पुरुष और 230 महिलाएँ शामिल हैं। वहीं, जाँच के बाद 203 मामले सामान्य पाए गए। इस पहल के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को आँखों की नियमित जाँच के प्रति जागरूक करने के साथ जरूरतमंद लोगों तक चश्मे और आगे के उपचार की सुविधा पहुँचाने का प्रयास किया गया। अदाणी फाउंडेशन की ओर से स्वास्थ्य सेवाओं को ग्रामीण समुदायों के करीब पहुँचाने और समय पर जाँच व उपचार में मदद करने के उद्देश्य से इस तरह के शिविर आयोजित किए जाते हैं।

पूर्व कैबिनेट मंत्री ने जन्माष्टमी पर विभिन्न मंदिरों में की पूजा-अर्चना

हरिभूमि न्यूज

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने विभिन्न मंदिरों में पहुँचकर भगवान श्रीकृष्ण की विधिवत पूजा-अर्चना की और श्रद्धालुओं के साथ जन्माष्टमी का पर्व मनाया। श्री अग्रवाल ने सप्तदेव मंदिर, श्री श्याम मंदिर, राम-जानकी मंदिर सहित परसाभादा, बालको स्थित श्री राधाकृष्ण मंदिर तथा शहर के अन्य मंदिरों में दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने बालस्वरूप भगवान श्रीकृष्ण को श्रद्धापूर्वक झुला झुलाया तथा क्षेत्रवासियों की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की।



भगवान कृष्ण को झुला झुलाते पूर्व मंत्री श्री अग्रवाल।

विभिन्न मंदिरों में उन्होंने श्रद्धालुओं एवं भक्तजनों से भेंट कर उन्हें जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन केवल

हमारी धार्मिक आस्था का आधार नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला और कर्तव्य के प्रति समर्पण की प्रेरणा भी देता है। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी सत्य और धर्म का

साथ नहीं छोड़ा तथा कर्म को सर्वोच्च महत्व दिया। श्रीकृष्ण का यही संदेश आज के समय में भी समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी का पर्व हमें अपने भीतर प्रेम, करुणा, धैर्य और सकारात्मकता का भाव विकसित करने की प्रेरणा देता है। भगवान श्रीकृष्ण ने समाज को यह संदेश दिया कि अन्याय के सामने मौन रहना उचित नहीं, बल्कि धर्म और सत्य की रक्षा के लिए दृढ़ता के साथ खड़ा होना आवश्यक है। श्री अग्रवाल ने कहा कि हमारे पर्व और धार्मिक परंपराएं समाज को जोड़ने का कार्य करती हैं। जन्माष्टमी के अवसर पर सभी वर्गों के लोग एक साथ भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाते हैं।

जिला कांग्रेस कमेटी ने मनाया शिक्षक दिवस

डॉ राधाकृष्णन ने आदर्श शिक्षक का प्रस्तुत किया उदाहरण : जयसिंह



शिक्षक दिवस मनाते कांग्रेसी।

हरिभूमि न्यूज

शिक्षक दिवस पर गुरुओं का हुआ सम्मान



पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ.राधाकृष्णन की याद में जिला कांग्रेस कमेटी कोरबा शहर द्वारा सुभाष चौक निहारिका में शिक्षक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर डॉ. राधाकृष्णन के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके योगदान को यादव किया गया।

शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि डॉ राधाकृष्णन ने अकादमिक शिक्षा ग्रहण करने के साथ सामाजिक जीवन के कई वर्ष एक शिक्षक के तौर पर बिताये और असंख्य छात्रों को विद्या दान दिया। उन्होंने इस दौरान आदर्श शिक्षक के रूप में उदाहरण प्रस्तुत किया। इसके अलावा डॉ. राधाकृष्णन ने राष्ट्र पति के पद पर कार्य करते हुए देश को बेहतर नेतृत्व प्रदान किया। पूर्व अध्यक्ष नत्थुलाल यादव ने डॉ. राधाकृष्णन के बहुआयामी व्यक्तित्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सर्वपल्ली जी के योगदान को सरकार ने पूरी गंभीरता से लेते हुए उनके जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाना स्वीकार किया। यह परंपरा अब भी भारतवर्ष में जारी है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश राठौर ने कहा

शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय छुहड़ापारा सेकुलर कटसीरा विकास खंड कटघोरा में 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस मनाया गया। प्रधानपाठक ब्रह्मनंद राठौर एवं सभी शिक्षकों, बच्चों एवं समूह के सदस्यों द्वारा मीन सरस्वती एवं सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन के छायाचित्र में दीपप्रज्वलन व पूजन कर किया गया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना, डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवनी पर प्रकाश डाला गया साथ ही बच्चों द्वारा भाषण, सुंदर कविता रोल प्ले एवं एक दिन के लिए छात्रों द्वारा टीचर बन कर कक्षा संचालन के दायित्व का निर्वहन किया गया एवं शिक्षकों से केक कटवाकर सैलिब्रेट किया गया एवं तिलक लगाकर शिक्षकों को उपहार भेंट किया गया। इस अवसर पर शिक्षिका श्रीमती गायत्री राजवाड़े, शिक्षक महेंद्र कुमार सिंह, रमाकान्त मार्बल उपस्थित रहे।

शिक्षक जितेंद्र का हुआ सम्मान

शिक्षक दिवस पर जितेंद्र कुमार साहू प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रजगामार को राज्य शिक्षक पुरस्कार रामेन डेका राज्यपाल के मुख्य आतिथ्य विष्णुदेव साय मुख्यमंत्री की अध्यक्षता एवं मजेन्द्र यादव स्कूल शिक्षा मंत्री के उपस्थिति में लोकसगढ़ मंडपम प्रदान किया गया।

शिक्षक दिवस पर जितेंद्र कुमार साहू प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रजगामार को राज्य शिक्षक पुरस्कार रामेन डेका राज्यपाल के मुख्य आतिथ्य विष्णुदेव साय मुख्यमंत्री की अध्यक्षता एवं मजेन्द्र यादव स्कूल शिक्षा मंत्री के उपस्थिति में लोकसगढ़ मंडपम प्रदान किया गया।

कि हमारे देश में शिक्षकों का दर्जा सबसे ऊंचा है। गुण-शिष्य की महान शिक्षक दिवस बना हुआ है। शिक्षक

लायंस क्लब कटघोरा-खुरी ने शिक्षकों का किया सम्मान

कटघोरा। शिक्षक दिवस के अवसर पर लायंस क्लब कटघोरा-खुरी द्वारा माध्यमिक शाला जेजुरा में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जोन चेयरमैन मनोज गुप्ता ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र की नींव को मजबूत करने वाले शिल्पकार हैं। उनके समर्पण और मार्गदर्शन से विद्यार्थियों का भविष्य संरक्षित है। रीजन पीआरओ एवं क्लब संरक्षक अजय धनोदिया ने कहा कि समाज में शिक्षक का स्थान सदैव सर्वोच्च रहा है। शिक्षक अपने ज्ञान और संस्कारों से आने वाली पीढ़ी को बेहतर नागरिक बनाने का कार्य करते हैं। उन्होंने लायंस क्लब की ओर से शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। इस अवसर पर माध्यमिक शाला जेजुरा की प्रधान पाठक श्रीमती सरिता गोयल सहित शिक्षिका श्रीमती ममता जायसवाल, श्रीमती रजनी चौहान, सुश्री जागुति साहू, सुश्री नंदिनी सिंह विद्यरंजन तथा शिक्षक रमन बंजारे एवं अजय श्रीवास्तव का शाल, श्रीफल, स्मृतिचिह्न एवं प्रशस्तिपत्र भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर रीजन पीआरओ व क्लब संरक्षक अजय धनोदिया, कोषाध्यक्ष राकेश गोयल, सचिव नरेंद्र अग्रवाल, उपाध्यक्ष राकेश पाण्डेय, अजय श्रीवास्तव, शुभम मित्तल, राकेश शर्मा, विशेष मित्तल मुख्य रूप में उपस्थित रहे।



पहले भी छात्रों के लिये सम्मानित थे और आज भी उनके प्रति सभी लोगों के मन में यही भावना कायम है। ग्रामीण अध्यक्ष मनोज चौहान ने कहा कि गुरुकुल की परंपरा आज विद्यालयों के तौर पर बनी हुई है। गुरुजनों का महत्व यथावत बने हुए हैं। व्यक्ति की सफलता की पीछे सबसे बड़ी भूमिका गुरुजनों की होती है जो उन्हें विभिन्न तरीकों से मार्गदर्शन प्रदान करते हैं और लक्ष्य तक पहुँचाने में सहायता करते हैं इसलिए गुरु के ऋण से कभी भी मुक्त नहीं हुआ जा सकता। कांग्रेस अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष नारायण कुरें, ने शिक्षक दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ. राधाकृष्णन, गौतम बुद्ध की तरह हृदय में अपार करुणा रखते थे। इस मौके पर कुसुम द्विवेदी, सपना चौहान, अर्चना उपाध्याय, रवि चंदेल, शशि अग्रवाल, अमृता

जामपाणी स्कूल में मनाया गया शिक्षक दिवस



प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला जामपाणी में शिक्षक दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए विभिन्न नतिविधियों में भाग लिया। कार्यक्रम में प्रधानपाठक आनंद राम धीरही, संत राम पैकरा, देवनारायण पैकरा, जय सिंह कंवर, महेंद्र सिंह पैकरा, अमन कुमार बिड़वार एवं श्रीमती मधुसिता मैम सहित आगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती जगबाई एवं श्रीमती सुरेंद्र बाई उपस्थित रहीं। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को शिक्षक दिवस के महत्व और जीवन में गुरु के योगदान के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का आयोजन शिक्षकों एवं आगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मार्गदर्शन में किया गया।

निषाद, गिरधारी बरेठ, गजानंद साहु, डी मानिकपुरी, महेन्द्र थवाईत संतोष राठौर, देवीदयाल सोनी, एफ उपस्थित रहे।

सरस्वती शिशु मंदिर कुसमुंडा में मनी जन्माष्टमी



सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुसमुंडा में शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हर्षोल्लास और भक्तिमय वातावरण में किया गया। इस दौरान शिशु वाटिका के नन्हें-मुन्ने बच्चा-बहनों के लिए ‘श्री कृष्ण-राधा सजाओ प्रतियोगिता’ आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने राधा और भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप में सजकर अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी का ध्यान आकर्षित किया।

कोरबा मार्केट

स्वास्थ्य सेवा में बनाएं अपना सुनहरा भविष्य

सिद्धि विनायक होस्पिटल एंड पैरामेडिकल कॉलेज

मनवाता सेवा एवं लैबरी से सेंटर, MB PARAMEDICAL COUNCIL से सेंटर

पात्रता (ELIGIBILITY)

रैखणिक चिकित्सा 12 वीं पास (जीव विज्ञान विषय के साथ)

कॉर्सेज (पाठ्यक्रम)

D.M.L.T. (2 वर्ष)

डिप्लोमा इन मेडिकल लेब टेक्नोलॉजियन

O.T. TECHNICIAN (1 वर्ष)

ऑपरेशन थियेटर टेक्नोलॉजियन

X-RAY TECHNICIAN (2 वर्ष)

एक्स-रे टेक्नोलॉजियन

07759-222221, 9993000683, 9109488843, 9425558441

सिद्धि विनायक होस्पिटल, प्लॉट नं. 52, कोरबा, बी. स्मू बर्ड स्कूल के पीछे, कोरबा, छत्तीसगढ़

भास्कर आई केयर

कालामोतिया नजर चुराता है और दर्द भी नहीं होता!

डॉ. दिलीप लालवानी नेत्र रोग विशेषज्ञ

फेकरी सर्जन एवं ग्लूकोमा विशेषज्ञ

MOORFIELDS EYE HOSPITAL, LONDON

ARAVIND EYE HOSPITAL, CHAMBATORE

प्रदेश के प्रसिद्ध ग्लूकोमा विशेषज्ञ द्वारा सम्पूर्ण कालामोतिया जांच एवं उपचार

लेजर एवं बिना टांकों की ग्लूकोमा MIGS सर्जरी • आंखों की सूखती नस का इलाज

EYE PRESSURE (IOP) • GONIOSCOPY • OCT & FIELD TEST

निरंकारी सतसंग भवन के पास, हिंद स्पॉर्ट्स फुटबॉल ग्राउंड के पास, इंदगाह भाठा, रायपुर (छ.ग.) 07714024989 | 9329124989

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में

फाफाडीह, टिम्बर मार्केट रोड, रायपुर

9827144197, 9827144777

मूत्र रोग एवं सर्जरी

किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज

प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज

यौन संबंधी समस्याएं

महिलाओं में पेशाब लीक की समस्याएं

DR. ABHISHEK GAWRI

MBBS, MS (Surgery), DrNB (Urology)

Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery

आयुष्याव काई की सुविधा उपलब्ध

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत कृषकों को दिया गया प्रशिक्षण

कोरबा। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन योजना अंतर्गत कनस्तर ग्राम कोलिहामुड़ा के ग्राम कोलिहामुड़ा एवं मुढाली के कृषकों के लिए पंचायत भवन कोलिहामुड़ा में प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में कृषकों को प्राकृतिक खेती के महत्व, इसके लाभ तथा प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग से खेती करने की विभिन्न तकनीकों की विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को प्राकृतिक खेती में उपयोग होने वाले विभिन्न जैविक घोलों एवं प्राकृतिक कीटनाशकों की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बीजामृत, घनाजीवामृत, नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र एवं अग्निअस्त्र तैयार करने की विधि, इनके उपयोग तथा फसलों में होने वाले लाभों के बारे में विस्तार से बताया। किसानों को रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों पर निर्भरता कम करते हुए प्राकृतिक संसाधनों के माध्यम से खेती को अधिक टिकाऊ एवं लाभदायक बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

वन पट्टाधारी एवं डुबान श्रेणी के कृषकों के लिए पंजीयन अभियान 15 तक कोरबा। जिले में नवीन वन पट्टाधारी एवं डुबान श्रेणी के कृषकों के धान विक्रय हेतु पंजीयन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। ऐसे कृषक 15 सितंबर तक संबंधित सहकारी समितियों में निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत कर अपना पंजीयन करा सकते हैं। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए जिले में कृषकों के नवीन पंजीयन एवं पंजीकृत रकबे में संशोधन की प्रक्रिया सहकारी समितियों के माध्यम से जारी है। जिले में अब तक 52 हजार 350 कृषकों का धान विक्रय हेतु पंजीयन किया जा चुका है। विगत वर्ष पंजीकृत कृषकों को खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में पुनः पंजीयन हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी। ऐसे कृषक संबंधित सहकारी समिति में जाकर अपने पंजीकृत भूमि खसरों एवं रकबे की जानकारी का अवलोकन कर उसकी शुद्धता सुनिश्चित कर सकते हैं। धान विक्रय हेतु पंजीयन के लिए खरीफ वर्ष 2026-27 में सभी श्रेणी के कृषकों का एग्रीस्ट्रेक पंजीयन अनिवार्य किया गया है।

वीरंगना रानी अवंतीबाई लोधी स्मृति पुरस्कार हेतु नामांकन 25 तक कोरबा। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महिलाओं के साहस, शौर्य, वीरता एवं आत्मबल को सफल बनाने के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली राज्य की महिला प्रतिभाओं को प्रतिवर्ष वीरंगना रानी अवंतीबाई लोधी स्मृति पुरस्कार प्रदान किया जाता है। सम्मान अंतर्गत चयनित महिला को 2 लाख रुपए की पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पट्टिका प्रदान की जाएगी। जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित स्क्रिनिंग समिति द्वारा प्राप्त आवेदनों की छानबीन कर सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियां राज्य शासन को प्रेषित की जाएगी। रज्जुक पात्र महिला आवेदक अपना आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में 25 सितंबर तक कार्यालय, जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग में जमा कर सकती हैं।

पटाखा लायसेंस हेतु ऑनलाइन की अंतिम तिथि 15 को कोरबा। दीपावली पर्व की दृष्टि से अस्थायी पटाखा लायसेंस बनवाने हेतु रज्जुक आवेदकों से 1 से 15 सितंबर तक आवेदन एलएसडीए माड्यूल (ऑनलाइन) के माध्यम से स्वीकार किये जाएंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार अस्थायी पटाखा लायसेंस बनवाने हेतु ऑनलाइन आवेदन पश्चात ऑनलाइन की पावती सहित आवेदक को आवेदन के साथ साईट मैप, जीएसटी पंजीयन प्रमाण पत्र और स्वयं की पासपोर्ट आकार का कलर फोटो दो नग एवं फोटो युक्त परिचय पत्र सहित दस्तावेज 3 प्रतियों में कलेक्टर कार्यालय कोरबा के लायसेंस शाखा में जमा कराना अनिवार्य है। इस हेतु रुपये छः सौ का चालान (0070- अन्य प्रशासकीय सेवाएं, 60-अन्य प्राप्तियां, 103-विस्फोटक पदार्थों के लिये) शीघ्र में जमा किया जाना है। चालान की प्रति आवेदन के साथ संलग्न किया जाना है। प्रामीणों से प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किये जाएंगे।

चलते ट्रक में कोरबा पहुंचा दुर्लभ प्लाइंग स्नेक

हरिभूमि न्यूज ►► कोरबा

एक दुर्लभ फ्लाइंग स्नेक का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। यह सांप धरमजयगढ़ इलाके से एक चलते ट्रक पर चढ़कर कोरबा पहुंच गया था। समय रहते लोगों की नजर उस घर पड़ गई, जिससे उसकी जान बच गई। दरअसल, टीपी नगर के ट्रक स्टैंड में एक ट्रक के पीछे लोगों ने खूबसूरत और रंग-बिरंगा सांप देखा। ट्रक ड्राइवर अनिल निषाद ने बताया कि सांप का रंग और रूप आम सांपों से अलग था। पहचान नहीं होने पर उन्होंने तुरंत वन विभाग को सूचना दी। वन विभाग ने रेप्टाइल केयर एंड रेस्क्यूअर सोसाइटी की हेल्पलाइन पर जानकारी दी। सूचना मिलते ही आरसीआरएस अध्यक्ष अविनाश यादव के साथ मयस, उमेश, सौम्य और अतुल की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने सांप की पहचान प्लाइंग स्नेक के रूप में की गई। दुर्लभ प्रजाति होने के कारण उसे देखने के लिए लोगों की भीड़ जुट गई थी। आरसीआरएस टीम ने कोरबा वनमंडलाधिकारी जितेंद्र उपाध्याय को

करोड़ों की वाहन पार्किंग के बाद भी सड़क पर खड़े हो रहे भारी वाहन

हरिभूमि न्यूज ►► कोरबा

औद्योगिक क्षेत्र खरमोरा में इन दिनों भारी वाहनों के सड़क किनारे खड़े होने से वहां निवासरत स्थानीय निवासियों को आवागमन में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर सड़क किनारे खड़े वाहन हादसों को आमंत्रण दे रहे हैं। सड़कों का जीर्णोद्धार जरूर हुआ है लेकिन भारी वाहनों के कारण सड़कें फिर उसी स्थिति में पहुंच रही है। जबकि भारी वाहनों के पार्किंग हेतु करोड़ों रुपए खर्च कर एक बड़ी पार्किंग स्थल तैयार किया गया है।

औद्योगिक क्षेत्र खरमोरा में इन दिनों भारी वाहनों के बेतरतीब ढंग से खड़े होने के कारण यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। रोजाना दूसरे राज्यों और जिलों से आने वाले सैकड़ों भारी वाहन इंडस्ट्रियल एरिया में प्रवेश कर रहे हैं। ये वाहन चालक फैक्ट्री में माल डंप करने और जल्दी बारी आने के चक्कर में अपने वाहनों को फैक्ट्रियों के मुख्य द्वारों के सामने ही सड़कों पर खड़ा कर दे रहे हैं। इसके कारण मुख्य मार्ग पर ट्रकों की लंबी कतारें लग रही हैं, जिससे आम लोगों का आवागमन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। इस गंभीर समस्या पर अब स्थानीय व्यापारी संघ की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं। जानकारों का कहना है कि व्यापारी

माइनिंग ऑपरेशन के दौरान ही 50 मिमी. से कम माप के कोयले का किया जाएगा उत्पादन

कोयला खदानों में अब नहीं होंगे हादसे, आइआइटी बीएचयू ने तैयार की ब्लास्ट फ्री तकनीक

हरिभूमि न्यूज ►► कोरबा

अब खदानों से कोयला निकालने के लिए डायनामाइट विस्फोट नहीं किया जाएगा। इससे खदानों में डायनामाइट विस्फोट करने के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं में

खास बात

■ एडवांस न्यूमेरिकल सिमुलेशन और इंजीनियरिंग टूल्स के जरिए तैयार किया गया स्वदेशी सरफेस माइनर

निर्दोष श्रमिकों की मौत के साथ ही पर्यावरण को होने वाले नुकसान से भी बचा जा सकेगा। कोयला कंपनियां सीधे पत्र विद्युत परियोजनाओं के लिए उनके उपयुक्त 50 मिमी साइज के कोयले का नि्यात कर सकेंगी। इनसे कोयले की बड़ी चट्टानों की दुलाई, फिर टोटे टुकड़ों में तुड़ई, क्रशिंग और अनियंत्रित आकार की छंटाई आदि खर्च भी बच जाएगा। इससे पर्यावरण के साथ ही उर्जा, श्रम, समय और लागत व्यय



सरफेस माइनर मशीन के साथ आईआईटी बीएचयू के अभियंता।

में कमी आएगी। यह संभव हो सकेगा आइआइटी बीएचयू के खनन अभियंरण विभाग के विज्ञानियों द्वारा तैयार नए ब्लास्ट फ्री ऑप्टिमाइज्ड सरफेस माइनर कटिंग ड्रम से। एडवांसड न्यूमेरिकल सिमुलेशन और इंजीनियरिंग टूल्स का उपयोग करके तैयार किए गए इस पूर्णतया स्वदेशी सरफेस माइनर से माइनिंग ऑपरेशन के दौरान ही 50 मिमी से कम माप के कोयले का नियंत्रित उत्पादन किया जा सकता है।

प्रधान अन्वेषक प्रो. संजय शर्मा ने बताया कि अब ऐसे अनुसंधानों की आवश्यकता है जिससे उर्जा संरक्षण नारों से बढ़कर उत्पादों की ओर बढ़े। कोल खदानों से कोयला निकालने के लिए विस्फोट अब नहीं करना होगा। विस्फोट से होने वाले कंपन से पशु-पक्षियों व पृथ्वी की सतह को होने वाले नुकसान, दुर्घटना में श्रमिकों के घायल होने या प्राण-क्षति, फिर बड़े टुकड़ों की दुलाई, तुड़ई, क्रशिंग और अनुपयोगी

नादर्न कोल लिमिटेड ने दी अनुसंधान राशि

शोध अध्ययन के परियोजना प्रमारी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर डा. बीएनवी शिवा प्रसाद बताया कि 50 मिमी के कोयले तापीय परियोजनाओं के लिए उपयुक्त होते हैं। नादर्न कोल लिमिटेड से आइआइटी बीएचयू के साथ हुए समझौते के तहत एनसीएल ने इस समस्या के समाधान की पहल की थी, कंपनी द्वारा एक करोड़ रुपये अनुसंधान राशि भी उपलब्ध कराया गया। सभी प्रकार के प्रयोगों और प्रेक्षणों में यह मशीन सफल सिद्ध हो चुकी है। अब एनसीएल इनका प्रयोग अपनी खदानों में कर सकेगा। जिसके बाद कोलहड़िया की एस्आईएल सहित अन्य अनुगोी कंपनियों में भी इस तकनीक का उपयोग करेंगे।

साइज की छटाई आदि के नुकसान और उनमें लगने वाली लगभग 50 प्रतिशत उर्जा की बचत होगी। यह माइनर कटिंग ड्रम खदानों से ही कोयले को 50 मिमी के समान आकार में काटकर निकाल लेगा।

कक्षा 9वीं प्रवेश हेतु काउंसलिंग 9 तक

कोरबा। मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजनांतर्गत संचालित प्रयास आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु तृतीय काउंसलिंग 3 से 9 सितंबर तक आयोजित की जाएगी। यह काउंसलिंग विभागीय वेबसाइट पर प्रदर्शित सूची के अनुसार संबंधित आवंटित प्रयास आवासीय विद्यालयों में प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक संपन्न होगी। इसी तरह प्रयास बालक/कन्या आवासीय विद्यालय जिला बीजापुर में कक्षा 9 वीं में प्रवेश हेतु काउंसलिंग 3 से 9 सितंबर तक एवं सीट रिक्त रहने की स्थिति में प्रतीक्षा सूची वाले विद्यार्थियों हेतु काउंसलिंग 10 से 15 सितंबर तक प्रयास कन्या आवासीय विद्यालय गुढ़ियारी जनता कालोनी एफसीआई गोडाउन के पास रायपुर में प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक संपन्न होगी। *हरदीबाजार। सराई सिंगार निवासी भाग्या युवा मोर्चा पूर्व जिला मंत्री पंकज धुर्वा के निवास स्थल में हलश्री क्रेन, पूजा आस्था के साथ मनाया गया। माताएं व्रत रहकर संतान के दीर्घायु की कामना व पूजा-अर्चना कर भगवान बलराम,गणेश और गौरी और षष्ठी देवी को जल अर्पित किया।

तेज रफ्तार बाइक पेड़ से टकराई, दो नाबालिगों की मौत

हरिभूमि न्यूज ►► कोरबा

दीपका थाना क्षेत्र के लितियाखार गांव में शुक्रवार शाम तेज रफ्तार बाइक बेकाबू होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार 2 नाबालिग लड़कों की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों के सिर में गंभीर चोटें आई थीं। जानकारी के मुताबिक करण चौहान 16 वर्ष बाइक चला रहा था और राजा नेटी 14 वर्ष पीछे बैठा था। दोनों तिवरता में बाइक सवारों की ओर लौट रहे थे। शाम के समय एक मोड़ पर तेज रफ्तार बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे लगने पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों के



घटना स्थल पर पड़ा शव और बाइक।

को सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही राहगीरों और स्थानीय लोगों की भीड़ आ गई। दो लोगों ने दीपका पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों के

परिवारों को हादसे की जा न का री दी। पुलिस ने ही रो डा ल व स बा इ क क्र मां क सीजी 12 बीक्यू 4982 को कब्जे में ले लिया है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक दोनों नाबालिग बिना हेलमेट बाइक चला रहे थे। तेज रफ्तार के कारण मोड़ पर बाइक बेकाबू हुई और सीधे पेड़ से जा टकराई। टक्कर में बाइक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

करोड़ों की लागत से बना पार्किंग स्थल पड़ा है सूना

चौकाने वाली बात यह है कि प्रशासन और विभाग द्वारा इस औद्योगिक क्षेत्र में भारी वाहनों के लिए एक विशाल पार्किंग स्थल का निर्माण कराया गया है। इसके बावजूद वाहन चालक नियमों को ताक पर रखकर अपनी गाड़ियां सड़कों पर खड़ी कर रहे हैं। पार्किंग स्थल खाली पड़ा है, जबकि मुख्य सड़कें ट्रकों का अड्डा बन चुकी हैं। बीते लंबे समय बाद पिछले वर्ष सीआईडीसी ने सड़कों का निर्माण कराया था। किंतु अब भारी वाहनों की वजह से सड़कों की परतें उखड़ने लगी हैं।

संघ को इस दिशा में कड़े कदम उठाने चाहिए। यदि सड़कों की स्थिति बदतर होती है, तो इसका सीधा खामियाजा और आर्थिक नुकसान स्वयं यहां के व्यापारियों को ही भुगतना पड़ेगा, क्योंकि जर्जर सड़कों के कारण भविष्य में उनका ही कारोबार प्रभावित होगा। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन और व्यापारी संघ से मांग की है कि सड़कों पर अवैध पार्किंग करने वाले ट्रक चालकों पर सख्त कार्रवाई की जाए और उन्हें अनिवार्य रूप से निर्धारित पार्किंग स्थल पर भेजने की व्यवस्था की जाए। लगातार भारी वाहनों के दबाव और घंटों एक ही जगह खड़े रहने के कारण खरमोरा की मुख्य सड़कें अब उखड़ने की कगार पर पहुंच चुकी हैं। स्थानीय लोगों और राहगीरों का कहना है कि यदि समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया, तो लाखों-करोड़ों की लागत से बनी सड़कें पूरी तरह बर्बाद हो जाएंगी।

बिजली कंपनी के कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाली की दिशा में महत्वपूर्ण पहल



धरना प्रदर्शन करते बीएमएस के पदाधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ►► कोरबा

भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी संघ महासंघ द्वारा लंबे समय से चलाए जा रहे आंदोलन एवं लगातार किए गए प्रयासों के परिणामस्वरूप बिजली कंपनी प्रबंधन ने वर्ष 2004 के बाद नियुक्त अधिकारी एवं

खास बात

■ विद्युत कंपनी प्रबंधन ने राज्य सरकार को सहमति के लिए दिया आवेदन

कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। महासंघ के महामंत्री नवरतन बरेठ ने बताया कि बिजली कंपनियों में वर्ष 2004 के बाद से कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने के संबंध में बिजली कंपनी प्रबंधन द्वारा वर्तमान प्रदेश सरकार से आवश्यक पूर्ण सहमति प्रदान करने हेतु आवेदन किया गया है। इस संबंध में महत्वपूर्ण फाइल बिजली कंपनी के चेयरमैन स्तर से आगे बढ़ते हुए प्रदेश सरकार के समक्ष पहुंच चुकी है। महासंघ का

मानना है कि प्रदेश सरकार से पूर्ण सहमति प्राप्त होने के पश्चात बिजली कंपनी प्रबंधन द्वारा शीघ्र ही आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर पात्र महासंघ द्वारा लंबे समय से चलाए जा रहे आंदोलन एवं लगातार किए गए प्रयासों के परिणामस्वरूप बिजली कंपनी प्रबंधन ने वर्ष 2004 के बाद नियुक्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की दिशा में ठोस निर्णय लिया जाएगा। छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी संघ महासंघ ने इस सकारात्मक पहल का स्वागत करते हुए कहा है कि कर्मचारियों के हित में संगठन का संघर्ष निरंतर जारी रहेगा और पुरानी पेंशन बहाली तक महासंघ पूरी मजबूती के साथ कर्मचारियों की आवाज उठाता रहेगा। ज्ञात हो कि बीएमएस से संबद्ध छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी संघ-महासंघ के द्वारा पुरानी पेंशन योजना बहाली सहित अन्य ज्वलंत मांगों को लेकर विगत माह प्रदेश में चरणबद्ध आंदोलन किया था एवं राजधानी के कंपनी मुख्यालय में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन एवं ज्ञापन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। तद्परांत अखिल भारतीय मंत्री व विद्युत प्रभारी राधेश्याम जायसवाल के नेतृत्व में महासंघ के पदाधिकारियों को प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं पॉवर कंपनी के चेयरमैन के द्वारा चर्चा हेतु आमंत्रित किया था, इस दौरान द्विपक्षीय बैठक हुई थी।

हरिभूमि 1 आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहक बंधुओं आपका अपना प्रिय अखबार **हरिभूमि** के स्थान पर अगर कोई अन्य अखबार दिया जा रहा है तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करें

टी.पी. नगर बी. ब्लॉक कामर्शियल काम्पलेक्स, कोरबा मो. 7049267780

online Booking:-www.tripuryatra.com

स्पेशल ट्रेन से - 19 दिसम्बर से 29 दिसम्बर 2026 (11 दिन)

कोरबा, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया से होकर

रामेश्वरम् धाम यात्रा

श्री रामेश्वरम् धाम ज्योतिर्लिंग, श्री तिरुपति बालाजी, श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, मदुरै श्री मीनाक्षीदेवी, श्री कन्याकुमारी

राशि :- स्त्रीपर 16,500/-, 3 एस्सी 27,500/-, 2 एस्सी 32,500/- 145% GST

श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति

RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road

संपर्क करें:-7354-411411